

SKPF-Wincomplete Test Series 2026

Test 13 -राजस्थान भूगोल (संसाधन)

[ANSWER KEY SECTION]

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
1	A	11	B
2	B	12	D
3	A	13	B
4	A	14	A
5	C	15	A
6	B	16	C
7	A	17	A
8	C	18	B
9	B	19	D
10	A	20	A

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
21	A	31	B
22	C	32	C
23	A	33	B
24	A	34	C
25	D	35	A
26	A	36	D
27	B	37	A
28	C	38	B
29	C	39	D
30	A	40	A

wincompete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
41	D	51	B
42	B	52	D
43	A	53	C
44	B	54	A
45	D	55	A
46	B	56	B
47	B	57	A
48	A	58	B
49	B	59	D
50	A	60	A

wincompete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
61	A	71	B
62	B	72	D
63	A	73	B
64	B	74	A
65	D	75	A
66	B	76	B
67	C	77	B
68	C	78	A
69	B	79	D
70	A	80	B

wincompete

प्रश्न संख्या	सही विकल्प	प्रश्न संख्या	सही विकल्प
81	A	91	B
82	C	92	D
83	A	93	B
84	B	94	D
85	D	95	C
86	A	96	B
87	A	97	A
88	A	98	B
89	A	99	D
90	A	100	A

wincompete

SKPF-Wincompete Test Series 2026

Test 13 -राजस्थान भूगोल (संसाधन)

[DETAILED EXPLANATIONS]

प्रश्न 1: राजस्थान में धात्विक खनिजों के एकाधिकार एवं खनन क्षेत्रों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: राजस्थान सीसा-जस्ता अयस्क के उत्पादन में भारत में लगभग एकाधिकार रखता है। जावर (उदयपुर) में मोचिया-मंगरा, बलारिया और बारोई खदानें प्रसिद्ध हैं। राजपुरा-दरिबा (राजसमंद) क्षेत्र भी सीसा, जस्ता और चांदी का मुख्य उत्पादक है। रामपुरा-आगूचा (भीलवाड़ा) खदान में विश्व के सबसे समृद्ध जस्ता निक्षेपों में से एक पाया जाता है, जिसमें जस्ता-सीसा की सांद्रता अत्यधिक उच्च (लगभग 13-14%) है। अतः कथन III गलत है, जबकि कथन I और II पूरी तरह सही हैं।

प्रश्न 2: राजस्थान में तांबा उत्खनन एवं इसके निक्षेप क्षेत्रों के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: B

व्याख्या: खेतड़ी-सिंधाना क्षेत्र (झुंझुनूं) राजस्थान का ऐतिहासिक एवं सबसे बड़ा तांबा अयस्क उत्पादक क्षेत्र है। यहाँ कोल्हान, मंधान और चांदमारी प्रमुख भूमिगत खदानें हैं। भारत सरकार का उपक्रम 'हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड' (HCL) यहाँ खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स का संचालन करता है, जिसकी स्थापना 1967 में की गई थी। यद्यपि कथन (A) और कारण (R) दोनों तथ्यात्मक रूप से सत्य हैं, परंतु HCL द्वारा प्रबंधन किया जाना खेतड़ी में प्राकृतिक रूप से तांबा निक्षेप होने का भौगोलिक कारण नहीं है।

प्रश्न 3: राजस्थान में चूना पत्थर (Limestone) के उत्पादन और इसके व्यावसायिक उपयोग के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: राजस्थान में चूना पत्थर तीन मुख्य श्रेणियों में पाया जाता है: सीमेंट ग्रेड, केमिकल ग्रेड और एसएमएस (Steel Melt Shop) ग्रेड। जैसलमेर का सानू क्षेत्र अपनी विशिष्ट भूगर्भीय संरचना के कारण अत्यधिक शुद्ध (कम सिलिका युक्त) एसएमएस ग्रेड चूना पत्थर का भंडार रखता है। यहाँ से प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाला चूना पत्थर भिलाई, रौरकेला और बोकारो जैसे देश के प्रमुख इस्पात संयंत्रों को भेजा जाता है। निष्कर्ष II गलत है क्योंकि राज्य में तीनों श्रेणियों के विशाल निक्षेप विद्यमान हैं।

प्रश्न 4: राजस्थान में पाए जाने वाले प्रमुख अधात्विक खनिजों को उनके प्रमुख खनन क्षेत्रों के साथ सुमेलित

सही उत्तर: A

व्याख्या: जिप्सम का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र बीकानेर का जामसर और नागौर का भदवासी है। रॉक फॉस्फेट के लिए उदयपुर का झामर-कोटड़ा देश का सबसे प्रमुख निक्षेप स्थल है जहाँ बेनेफिशिएशन प्लांट भी कार्यरत है। अभ्रक उत्पादन भीलवाड़ा के दाता-भुणास, फुलासिया और शाहपुरा क्षेत्रों में केंद्रित है। वोल्स्टोनाइट में राजस्थान का शत-प्रतिशत एकाधिकार है और इसका मुख्य खनन सिरोही के खिलाड़ा एवं बेलका पहाड़ क्षेत्रों तथा अजमेर जिलों में किया जाता है।

प्रश्न 5: राजस्थान के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस संसाधनों के संदर्भ में

सही उत्तर: C

व्याख्या: राजस्थान में बाड़मेर-सांचौर बेसिन सबसे समृद्ध ऑन-शोर कूड ऑयल उत्पादक बेसिन है, जहाँ से राज्य का अधिकांश कच्चा तेल निकाला जाता है। यहाँ 'मंगला' तेल क्षेत्र से वाणिज्यिक उत्पादन 29 अगस्त 2009 को शुरू हुआ था। इस बेसिन में अन्वेषण एवं उत्पादन का कार्य मुख्य रूप से केयर्न ऑयल एंड गैस (वेदांता लिमिटेड) द्वारा ओएनजीसी के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में किया जा रहा है, न कि केवल ओएनजीसी द्वारा अकेले। अतः कथन C गलत होने के कारण सही उत्तर है।

प्रश्न 6: राजस्थान में कच्चे तेल के उत्पादन और पचपदरा (बाड़मेर) में स्थापित की जा रही रिफाइनरी के संदर्भ में

सही उत्तर: B

व्याख्या: बाड़मेर के पचपदरा में स्थापित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (HRRL) भारत की पहली ऐसी एकीकृत रिफाइनरी है जो पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के साथ संयोजित है। इस परियोजना की कुल क्षमता 9 एमएमटीपीए (MMTPA) है। यह परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) और राजस्थान सरकार का एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें एचपीसीएल की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत तथा राजस्थान सरकार की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत निर्धारित की गई है। यह पर्यावरण-अनुकूल बीएस-VI मानक ईंधनों का उत्पादन करेगी।

प्रश्न 7: राजस्थान में लिग्नाइट आधारित तापीय ऊर्जा परियोजनाओं के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: A

व्याख्या: गिरल लिग्नाइट तापीय विद्युत परियोजना (थूरली, बाड़मेर) राजस्थान की पहली लिग्नाइट आधारित राज्य सरकारी विद्युत परियोजना है। इसमें जर्मनी की उन्नत 'डायरेक्ट लिग्नाइट कंबेशन' (DLC) तकनीक का उपयोग किया गया है। इसके विपरीत, छबड़ा (बारां) और सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट मुख्यतः कोयला आधारित हैं। बरसिंगसर (बीकानेर) लिग्नाइट परियोजना केंद्र सरकार के उपक्रम एनएलसी इंडिया लिमिटेड (NLC India Ltd - पूर्व में नेवेली लिग्नाइट) द्वारा संचालित 250 मेगावाट की परियोजना है।

प्रश्न 8: राजस्थान में लौह-अयस्क निक्षेपों के वितरण के संदर्भ में

सही उत्तर: C

व्याख्या: राजस्थान में मुख्यतः हेमेटाइट किस्म का लौह-अयस्क पाया जाता है। जयपुर जिले में मोरीजा-बनोल (चौमूं) क्षेत्र सबसे बड़ा और उच्च ग्रेड हेमेटाइट निक्षेप केंद्र है। उदयपुर का नाथरा-की-पाल और थूर-हुंडेर क्षेत्र भी लौह-अयस्क निष्कर्षण के लिए प्रसिद्ध हैं। राजस्थान में मैग्नेटाइट अयस्क के निक्षेप नगण्य हैं, अतः कथन III अमान्य है। डोसा का लापोसा-भांडारेज तथा झुंझुनूं का डाबला-सिंघाना भी लौह-अयस्क के अन्य प्रमुख उत्पादक क्षेत्र हैं।

प्रश्न 9: राजस्थान में मैंगनीज और क्रोमाइट खनिजों के उपलब्धता क्षेत्रों के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: B

व्याख्या: राजस्थान में मैंगनीज अयस्क के प्राथमिक निक्षेप बांसवाड़ा जिले में केंद्रित हैं, जहाँ लीलावाणी, कालाखूँटा, कांसला और तांबेसरा मुख्य खदानें हैं। मैंगनीज का उपयोग मुख्य रूप से स्टील निर्माण में कठोरता प्रदान करने और सल्फर/ऑक्सीजन अशुद्धियों को दूर करने वाले विऑक्सीकारक के रूप में किया जाता है।

यद्यपि दोनों कथन (A) और (R) तथ्यात्मक रूप से सत्य हैं, परंतु मैंगनीज का धातुकर्म में उपयोग होना बांसवाड़ा जिले में इसके भूगर्भीय निक्षेप होने का सीधा कारण नहीं है।

प्रश्न 10: राजस्थान के सीसा-जस्ता अयस्क के सह-उत्पादों एवं अन्य खनन क्षेत्रों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: सीसा-जस्ता अयस्क (गैलेना एवं स्फैलराइट) के प्रगलन (Smelting) के दौरान उप-उत्पाद के रूप में चांदी, कैडमियम और सल्फ्यूरिक एसिड प्राप्त होते हैं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) द्वारा चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया में एशिया का सबसे बड़ा जिंक-लेड स्मेल्टर स्थापित किया गया है जो अत्याधुनिक हाइड्रो-मेटलर्जिकल एवं पायरो-मेटलर्जिकल तकनीकों का उपयोग करता है। कथन II गलत है क्योंकि राजस्थान में चंदेरिया और देबारी (उदयपुर) में विशाल स्मेल्टर संयंत्र सफलता पूर्वक संचालित हो रहे हैं।

प्रश्न 11: राजस्थान के प्रसिद्ध बहुमूल्य पत्थरों एवं भवन निर्माण सामग्रियों को उनके प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों के साथ सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: पन्ना (Emerald) का मुख्य खनन क्षेत्र राजसमंद का कालागुमान और गोगुंदा (उदयपुर) है। तामड़ा या गार्नेट (रक्तमणि) का संकेंद्रण टोंक के राजमहल, कल्याणपुर तथा अजमेर के सरवाड़ क्षेत्र में है। पीला संगमरमर मुख्य रूप से जैसलमेर के लकी क्षेत्र में पाया जाता है जिसका उपयोग नक्काशीदार इमारतों में होता है। हरा संगमरमर (सर्पेन्टाइन) उदयपुर जिले के ऋषभदेव और केसरियाजी क्षेत्रों में व्यापक रूप से उत्खनित किया जाता है।

प्रश्न 12: राजस्थान के अधात्विक खनिजों एवं औद्योगिक उपयोगों के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: वोल्स्टोनाइट एक विशिष्ट कैल्शियम सिलिकेट खनिज है जिसका उपयोग प्लास्टिक, पेंट और सिरमिक उद्योगों में किया जाता है। संपूर्ण भारत में व्यावसायिक रूप से वोल्स्टोनाइट का लगभग 100 प्रतिशत उत्पादन केवल राजस्थान (मुख्यतः सिरोही, डूंगरपुर और पाली जिलों) में होता है। भारत में इसका कोई अन्य प्रतिस्पर्धी राज्य नहीं है। अतः विकल्प D असंगत है। गोटन का जिप्सम/सफेद सीमेंट, झामर-कोटड़ा का रॉक फॉस्फेट तथा मांडो-की-पाल का फ्लोराइट उत्पादन तथ्यात्मक रूप से सही है।

प्रश्न 13: राजस्थान के जैसलमेर एवं बाड़मेर-सांचौर बेसिन में प्राकृतिक गैस की खोज एवं उत्पादन के संदर्भ में

सही उत्तर: B

व्याख्या: जैसलमेर बेसिन राजस्थान का सबसे पुराना और प्रमुख प्राकृतिक गैस उत्पादक क्षेत्र है। यहाँ मनिहारी टिब्बा, तनोट, डांडेवाला, रामगढ़ और शाहगढ़ उभार में वाणिज्यिक गैस निक्षेप मिले हैं। जैसलमेर के रामगढ़ में स्थित 270.5 मेगावाट की गैस आधारित तापीय विद्युत परियोजना को ईंधन आपूर्ति मुख्य रूप से मनिहारी टिब्बा और तनोट गैस क्षेत्रों की पाइपलाइनों द्वारा की जाती है। यह संयंत्र गैस आधारित बिजली उत्पन्न कर पश्चिमी राजस्थान में ग्रिड स्थिरता बनाए रखता है।

प्रश्न 14: राजस्थान में लिग्नाइट कोयले के भंडारों और लिग्नाइट आधारित पावर प्लांटों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: बीकानेर का पलाना क्षेत्र राजस्थान में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले लिग्नाइट निक्षेपों के लिए ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध है। लिग्नाइट भंडारों के मामले में तमिलनाडु के बाद राजस्थान पूरे भारत में दूसरे स्थान पर है (तीसरे पर नहीं)। जालीपा और कपूरी लिग्नाइट खदानें बाड़मेर जिले में स्थित हैं, जो राज-वेस्ट पावर प्रोजेक्ट (भाद्रेश) को कोयला आपूर्ति करती हैं। भाद्रेश थर्मल प्रोजेक्ट लिग्नाइट आधारित तापीय विद्युत संयंत्र है, न कि सौर ऊर्जा चालित।

प्रश्न 15: राजस्थान के सीसा-जस्ता अयस्क एवं उससे जुड़े खनन क्षेत्रों पर विचार

सही उत्तर: A

व्याख्या: सवाई माधोपुर का चौथ का बरवाड़ा क्षेत्र ऐतिहासिक सीसा-जस्ता खनन स्थल रहा है। अलवर जिले का गुद्धा-किशोरीदास क्षेत्र भी सीसा-जस्ता के भंडार के रूप में चिह्नित किया गया है। भीलवाड़ा का देवपुरा-बनेरा और आगूचा बेल्ट सीसा-जस्ता और तांबे के समृद्ध निक्षेपों के लिए प्रसिद्ध है, न कि सोने के लिए। अतः कथन III गलत है, जबकि कथन I और कथन II पूरी तरह सही हैं।

प्रश्न 16: राजस्थान में ग्रेनाइट एवं बहुमूल्य पत्थरों की व्यावसायिक संभावनाओं के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: C

व्याख्या: जालौर को 'ग्रेनाइट नगरी' कहा जाता है क्योंकि यहाँ गुलाबी, मर्करी रेड और पीले ग्रेनाइट का विशाल भूगर्भीय निक्षेप मौजूद है। जालौर में कई अत्याधुनिक स्टोन प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित हैं। हालाँकि, कारण (R) पूरी तरह से असत्य है क्योंकि जालौर से प्रसंस्कृत ग्रेनाइट का बड़े पैमाने पर चीन, अमेरिका और यूरोपीय देशों को निर्यात किया जाता है, तथा इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है। अतः कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत है।

प्रश्न 17: राजस्थान में पाए जाने वाले अभ्रक (Mica) एवं इसके औद्योगिक उपयोग के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: भीलवाड़ा राजस्थान की 'मायका सिटी' (अभ्रक नगरी) के रूप में प्रसिद्ध है। यहाँ अभ्रक के चूर्ण एवं स्क्रेप से ताप-रोधी तथा विद्युत-रोधी ईंटों (Mica Bricks) का निर्माण करने वाले उद्योग कार्यरत हैं। अभ्रक एक उत्कृष्ट विद्युत रोधी (Bad Conductor / Insulator) तथा उच्च तापीय प्रतिरोधक क्षमता वाला खनिज है, इसलिए इसका उपयोग तारों की सुरक्षात्मक परत और कैपेसिटर में चालन रोकने हेतु होता है, न कि सुचालक धातु कोर के रूप में। अतः निष्कर्ष II अमान्य है।

प्रश्न 18: राजस्थान के विभिन्न खनिजों एवं उनके मुख्य उत्पादक जिलों को सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: कैल्साइट का उत्पादन सिरोही, सीकर और उदयपुर जिलों में होता है। फेल्स्पार का लगभग 90 प्रतिशत उत्पादन अजमेर (मकड़ेड़ा, मकरेड़ा क्षेत्र) में केंद्रित है, जहाँ से इसे सिरैमिक उद्योगों को भेजा जाता है। एसबेस्टस (एम्फीबोल किस्म) का मुख्य खनन उदयपुर के ऋषभदेव, खेरवाड़ा और नाथद्वारा क्षेत्रों में होता है। स्टीएटाइट (सोपस्टोन/टैल्क) का संकेंद्रण उदयपुर के देवबल, मावली और दोसा के गीजगढ़ क्षेत्रों में है, जिसका उपयोग कॉस्मेटिक्स में होता है।

प्रश्न 19: राजस्थान में बहुमूल्य पत्थर 'पन्ना' (Emerald) की उपस्थिति के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: राजस्थान में पन्ने की हरी पट्टी (Green Belt) गोगुंदा (उदयपुर) से लेकर देवगढ़ और कांकरोली (राजसमंद) तक लगभग 221 किमी लंबाई में फैली है। कालागुमान, कालावाड़ा और खानगुड़ा इसके प्रसिद्ध खनन स्थल हैं। पन्ना बेरिलियम एल्यूमीनियम सिलिकेट खनिज है जिसे क्रोमियम की मौजूदगी के कारण 'हरी अग्नि' (Green Fire) कहा जाता है। कथन D असंगत है क्योंकि राजस्थान में बहुमूल्य पत्थरों एवं पन्ने की कटिंग, पॉलिशिंग तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रमुख केंद्र जयपुर है, न कि बीकानेर।

प्रश्न 20: राजस्थान में संगमरमर (Marble) उद्योग एवं इसके प्रमुख किस्मों के वितरण के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: नागौर जिले के मकराना से निकलने वाला कैल्साइटिक सफेद संगमरमर (Calcitic Marble) पानी सोखने की नगण्य क्षमता और अद्वितीय चमक के लिए विश्वप्रसिद्ध है। इसे ताजमहल और विक्टोरिया मेमोरियल में प्रयुक्त किया गया था तथा यूनेस्को की 'ग्लोबल हेरिटेज स्टोन रिसोर्स' सूची में शामिल किया गया है। राजसमंद में हरे, सफेद और गुलाबी संगमरमर का उत्पादन होता है। भैंसलाना (जयपुर) काले संगमरमर का प्रसिद्ध उत्पादक क्षेत्र है तथा जैसलमेर का पीला संगमरमर एक कार्यान्तरित चूना पत्थर है।

प्रश्न 21: इन्दिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) के उद्गम, संरचना और कमान क्षेत्र विकास (CAD) के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: IGNP का उद्गम पंजाब के फिरोजपुर में सतलुज और ब्यास नदियों के संगम पर निर्मित हरिके बैराज से होता है। हरिके बैराज से मसीतावाली हेड (हनुमानगढ़) तक 204 किमी लंबी राजस्थान फीडर नहर है। मसीतावाली हेड से मुख्य नहर शुरू होती है। कथन III असत्य है क्योंकि सेम (Waterlogging) और लवणता की समस्या के जैविक एवं यांत्रिक समाधान हेतु नीदरलैंड्स (CADA प्रोजेक्ट) तथा कनाडाई सहायता ली गई, और इसके लिए केवल लिफ्ट नहरें ही नहीं बल्कि ड्रेनेज प्रणालियां तथा यूकेलिप्टसारोपण उपाय किए गए।

प्रश्न 22: राजस्थान में बीसलपुर बहुउद्देशीय पेयजल एवं सिंचाई परियोजना के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: C

व्याख्या: टोंक जिले के देवली के पास बनास नदी पर निर्मित बीसलपुर बांध परियोजना जयपुर, अजमेर, टोंक तथा दौसा जिलों के लाखों निवासियों को पेयजल आपूर्ति करने वाली सबसे बड़ी पेयजल परियोजना है। अतः कथन (A) सत्य है। परंतु कारण (R) असत्य है क्योंकि बीसलपुर बांध से दो मुख्य नहरें (दाई व बाई) निकाली गई हैं, जो टोंक जिले के अलावा अजमेर और दौसा के कमान क्षेत्रों की कृषि भूमि को भी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराती हैं।

प्रश्न 23: राजस्थान में नर्मदा नहर परियोजना की तकनीकी विशेषताओं और इसके कार्यान्वयन के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: नर्मदा नहर परियोजना सांचौर (जालोर) के सीलू गाँव से राजस्थान में प्रवेश करती है। यह देश की पहली वृहद परियोजना है जिसमें फव्वारा (Sprinkler) सिंचाई अनिवार्य की गई है, जिससे कम पानी से अधिक

कमान क्षेत्र सिंचित हुआ है (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II गलत है क्योंकि यह नहर जालोर (सांचौर) और बाड़मेर दोनों जिलों के विस्तृत कृषि क्षेत्रों को सिंचित करने के साथ-साथ पेयजल भी प्रदान करती है। अतः केवल निष्कर्ष I सही है।

प्रश्न 24: राजस्थान की प्रसिद्ध लिफ्ट नहरों (IGNP) को उनसे लाभान्वित होने वाले मुख्य जिलों के साथ सुमेलित

सही उत्तर: A

व्याख्या: चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट नहर (नोहर-साहवा) हनुमानगढ़, चुरु, झुंझुनूं और बीकानेर जिलों को जल आपूर्ति करती है। कैवरसेन लिफ्ट नहर (सबसे पुरानी) बीकानेर और श्रीगंगानगर की जीवन रेखा है। पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर (गजनेर) बीकानेर और नागौर जिलों को लाभान्वित करती है। डॉ. करणी सिंह लिफ्ट नहर (कोलायत) बीकानेर और जोधपुर जिलों के शुष्क क्षेत्रों को सिंचित एवं पेयजल उपलब्ध कराती है। सही मिलान 3-4-1-2 है।

प्रश्न 25: राजस्थान में गैर-पारंपरिक ऊर्जा एवं सौर ऊर्जा अवसंरचना के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: भडला (फलोदी/जोधपुर) 2245 मेगावाट क्षमता के साथ विश्व का प्रमुख सोलर पार्क है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम (RRECL) राज्य में नोडल संस्था है। राजस्थान सौर ऊर्जा नीति-2019 ने 2024-25 तक 30 GW का लक्ष्य रखा था। कथन D गलत (असंगत) है क्योंकि 'राजस्थान राजस्थान ग्रीन एनर्जी पॉलिसी / राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा नीति-2023' के तहत वर्ष 2030 तक 90 गीगावाट (GW) सौर ऊर्जा तथा कुल 500 GW राष्ट्रीय लक्ष्य में प्रमुख योगदान का वृहद लक्ष्य रखा गया है।

प्रश्न 26: राजस्थान में पीएम-कुसुम (PM-KUSUM) योजना के घटक-ए (Component-A) के कार्यान्वयन से संबंधित

सही उत्तर: A

व्याख्या: केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (PM-KUSUM) योजना के घटक-ए (Component-A) के तहत किसानों, पंचायतों और सहकारी समितियों द्वारा 500 किलोवाट से 2 मेगावाट (MW) क्षमता तक के डिसेंट्रलाइज्ड ग्रिड-संबद्ध सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। भालोजी (कोटपूतली, जयपुर) में स्थापित 1 मेगावाट क्षमता का प्लांट इस श्रेणी में देश का पहला ग्रिड-कनेक्टेड प्रोजेक्ट था, जिससे किसानों को निश्चित आय प्राप्त होती है।

प्रश्न 27: राजस्थान की पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों में से 'खड़ीन' के संदर्भ में

सही उत्तर: B

व्याख्या: खड़ीन ढलानयुक्त मरुस्थलीय क्षेत्रों में वर्षा जल एकत्र करने की एक पारंपरिक कृषि-जल संरक्षण तकनीक है। इसका विकास 15वीं शताब्दी में जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा किया गया था। वर्षा का जल ढलान से बहकर निचले समतल मैदान (खड़ीन) में रुकता है। जल सूखने के पश्चात नमीयुक्त पेठे की मिट्टी में बिना अतिरिक्त सिंचाई के रबी की फसलें (जैसे चना, गेहूं, सरसों) उगाई जाती हैं। यह पेयजल के साथ-साथ कृषि उत्पादन का अद्भुत माध्यम है।

प्रश्न 28: राजस्थान में पारंपरिक जल स्रोतों 'टाँका' और 'बावड़ी' की संरचना और उपयोगिता के संदर्भ में

सही उत्तर: C

व्याख्या: पश्चिमी राजस्थान के शुष्क भूभाग में टाँका वर्षा जल संग्रहण (Rainwater Harvesting) हेतु निर्मित पक्का भूमिगत ढाँचा है। इसके कैचमेंट एरिया को 'आगोर' या 'पायतान' कहते हैं, जिसे साफ-सुथरा रखा जाता है ताकि शुद्ध जल टाँके में जमा हो। बावड़ी (Stepwell) अलंकृत सीढ़ीदार कुएँ होते हैं, जो स्थापत्य कला का सुंदर नमूना हैं (जैसे चांद बावड़ी, आभानेरी)। तीनों कथन I, II और III पूरी तरह सत्य हैं।

प्रश्न 29: राजस्थान में आधुनिक जल प्रबंधन पहलों—मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (MJSA) और अटल भू-जल योजना के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: C

व्याख्या: अटल भू-जल योजना (Atal Bhujal Yojana) 1 अप्रैल 2020 को शुरू की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के 17 जिलों के 38 जल-संकटग्रस्त ब्लॉक में भू-जल स्तर के गिरते स्तर को रोकना तथा सामुदायिक भागीदारी से वाटर बजेटिंग करना है। अतः कथन (A) सही है। परंतु कारण (R) असत्य है क्योंकि इस योजना का वित्तपोषण भारत सरकार (50%) और विश्व बैंक (World Bank - 50%) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, न कि केवल राज्य सरकार द्वारा।

प्रश्न 30: मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (MJSA 2.0) की मुख्य विशेषताओं के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण कीजिए:

सही उत्तर: A

व्याख्या: मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (MJSA 2.0) वाटरशेड-आधारित एकीकृत जल प्रबंधन तकनीक पर केंद्रित है, जिसमें पारंपरिक तालाबों, टाँकों, एनिकटों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ आधुनिक भू-जल पुनर्भरण तकनीकों का समन्वय किया गया है (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि इस योजना का प्राथमिक ध्यान और दायरा राज्य की हजारों ग्रामीण ग्राम पंचायतों और जल-संकटग्रस्त गाँवों पर ही केंद्रित है।

प्रश्न 31: राजस्थान की मध्यम व लघु सिंचाई परियोजनाओं को उनके संबंधित जिलों के साथ सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: गागरिन मध्यम सिंचाई परियोजना झालावाड़ जिले में स्थित है। ल्हासी सिंचाई परियोजना बारां जिले में स्थित है। तकली मध्यम सिंचाई परियोजना कोटा जिले में निर्मित की गई है। चाकण मध्यम सिंचाई परियोजना बूंदी जिले की प्रमुख मध्यम सिंचाई परियोजना है। इस प्रकार सही कूट अनुक्रम a-4, b-1, c-2, d-3 है।

प्रश्न 32: राजस्थान में माही बजाज सागर परियोजना के संदर्भ में

सही उत्तर: C इस परियोजना से उत्पन्न होने वाली संपूर्ण 80 % विद्युत ऊर्जा पर केवल राजस्थान का अधिकार है।

व्याख्या : विकल्प C (असंगत / गलत): यह कथन गलत है क्योंकि 1966 के अंतर्राज्यीय समझौते के तहत इस परियोजना से उत्पादित होने वाली विद्युत का केवल 80% नहीं, बल्कि **100% (संपूर्ण 140 मेगावाट) विद्युत ऊर्जा पर केवल राजस्थान का अधिकार है।** गुजरात को इस परियोजना से उत्पन्न विद्युत में कोई हिस्सा नहीं मिलता है।

- **विकल्प A (संगत / सत्य):** माही बजाज सागर परियोजना राजस्थान और गुजरात की एक संयुक्त बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है, जिसका समझौता 1966 में हुआ था।
- **विकल्प B (संगत / सत्य):** इस परियोजना में जल एवं वित्तीय व्यय की भागीदारी का अनुपात **गुजरात: 55% और राजस्थान: 45%** निर्धारित है।

- **विकल्प D (संगत / सत्य):** मुख्य बांध (माही बजाज सागर बांध) **बोरखेड़ा (बांसवाड़ा)** में निर्मित है, जो राजस्थान का सबसे लंबा बांध (3,109 मीटर) है। सिंचाई हेतु मुख्य नहरें (आनंदपुरी व सागवाड़ा नहरें) इसके डाउनस्ट्रीम में स्थित **कागदी पिक-अप बांध** से निकाली गई हैं।

माही बजाज सागर परियोजना

आयाम	विवरण
नदी एवं स्थान	माही नदी, बोरखेड़ा (बांसवाड़ा, राजस्थान)
भागीदार राज्य	राजस्थान (45%) एवं गुजरात (55%)
विद्युत उत्पादन एवं अधिकार	140 MW (100% विद्युत केवल राजस्थान को)
कड़ाना बांध (Kadana Dam)	गुजरात के महिसागर जिले में स्थित, जिसका निर्माण व्यय गुजरात सरकार द्वारा वहन किया गया था।
लाभान्वित क्षेत्र	मुख्य रूप से राजस्थान के दक्षिणी आदिवासी बहुल जिले (बांसवाड़ा, डूंगरपुर एवं प्रतापगढ़)।

प्रश्न 33: इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) के दूसरे चरण (Stage-II) में रेगिस्तानी क्षेत्रों के पारिस्थितिक रूपांतरण से संबंधित

सही उत्तर: B

व्याख्या: इंदिरा गांधी नहर की राजस्थान फीडर नहर की लंबाई 204 किमी (170 किमी पंजाब/हरियाणा + 34 किमी राजस्थान) है। मसीतावाली हेड से लेकर मोहनगढ़ (जैसलमेर) तक IGNP मुख्य नहर की कुल लंबाई 445 किलोमीटर है। मुख्य नहर और फीडर नहर दोनों को मिलाकर कुल लंबाई 649 किलोमीटर बनती है। अतः केवल मुख्य नहर की लंबाई पूछने पर सही उत्तर 445 किलोमीटर है।

प्रश्न 34: राजस्थान में सौर ऊर्जा संभावनाओं और वृहद सौर पार्कों के विकास के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: C

व्याख्या: पूगल (बीकानेर) में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम (RUVNL) तथा कोल इंडिया लिमिटेड (CIL) द्वारा वृहद क्षमता के सौर पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। नोख सौर पार्क जैसलमेर जिले में स्थित है (बीकानेर में)

नहीं)। फलोदी-पोकरण पार्क सौर ऊर्जा विकास हेतु स्वीकृत है। राजस्थान भारत में कुल स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता (Solar Power Capacity) के मामले में देश में प्रथम स्थान पर है।

प्रश्न 35: इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) के अंतर्गत कमान्ड एरिया डेवलपमेंट (CAD) एवं जल दक्षता उपायों पर विचार

सही उत्तर: A

व्याख्या: IGNP क्षेत्र में सिंचित जल के न्यायसंगत आवंटन हेतु 'वारबंदी प्रणाली' (रोटेशनल वाटर सप्लाई) लागू की गई है। नहरों की पक्की कोटिंग (Lining) से सीपेज रुकता है तथा सेम की समस्या पर अंकुश लगता है। कथन III गलत है क्योंकि कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम (CADP) राज्य सरकार के सीएडी आयुक्त/प्रशासनिक विभाग द्वारा संचालित एक सरकारी कार्यक्रम है, इसे निजी कंपनियों को नहीं सौंपा गया है।

प्रश्न 36: राजस्थान में चम्बल नदी घाटी बहुउद्देशीय परियोजना के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन (A) असत्य है क्योंकि चम्बल नदी घाटी परियोजना राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों की बराबर 50:50 (50% राजस्थान, 50% मध्य प्रदेश) साझेदारी वाली परियोजना है, न कि 55:45। कारण (R) पूरी तरह सत्य है क्योंकि इस परियोजना में बने चार बांधों में से गांधी सागर बांध (मंदसौर, MP) में है तथा राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़), जवाहर सागर (कोटा) और कोटा बैराज (कोटा) राजस्थान में स्थित हैं। अतः कथन गलत है, कारण सही है।

प्रश्न 37: पश्चिमी राजस्थान के पारंपरिक जल स्रोतों 'झालरा' और 'कुई/बेरी' के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण

सही उत्तर: A

व्याख्या: झालरा का अपना कोई भू-जल स्रोत नहीं होता; यह उच्च जलाशयों से रिसने वाले जल को एकत्र करता है और इसका उपयोग मुख्य रूप से धार्मिक/सामूहिक अनुष्ठानों हेतु किया जाता था (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि कुई/बेरी जिप्सम पट्टी (खड़िया) के कारण वर्षा जल को गहराई में जाने से रोककर मीठे रेवाणी पानी को वर्षभर सुरक्षित रखती है, जिससे ग्रीष्म ऋतु में भी पेयजल उपलब्ध रहता है।

प्रश्न 38: राजस्थान की प्रमुख लिफ्ट नहरों और उनके परिवर्तित नवीन नामों को सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: नोहर-साहवा लिफ्ट नहर का नया नाम चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट नहर है। गजनेर लिफ्ट नहर का नया नाम पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर है। कोलायत लिफ्ट नहर का नया नाम डॉ. करणी सिंह लिफ्ट नहर है। पोकरण लिफ्ट नहर का नया नाम जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर है। इस प्रकार सही सुमेलित क्रम 3-1-2-4 है।

प्रश्न 39: इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में घटित पर्यावरण-इकोलॉजिकल परिवर्तनों के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: IGNP के आगमन से थार मरुस्थल के पारिस्थितिक तंत्र में व्यापक बदलाव आए हैं। शुष्क जलवायु में आर्द्रता बढ़ी है और कृषि उत्पादन बढ़ा है। अत्यधिक सिंचाई से बड़ोपल जैसे क्षेत्रों में 'सेम' (Waterlogging)

की विकराल समस्या उत्पन्न हुई है। परंतु कथन D पूरी तरह से असंगत/गलत और अतिरंजित है क्योंकि नहर के कारण जैव-विविधता समाप्त नहीं हुई, बल्कि वृक्षारोपण, सघन वन क्षेत्र और फसलों का विशाल आवरण विकसित हुआ है।

प्रश्न 40: राजस्थान में रूफटॉप सोलर योजना (PM Surya Ghar / PM Ghughar Yojana) एवं सौर ऊर्जा प्रोत्साहन नीतियों के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: A

व्याख्या: 'प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत आवासीय घरों की छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित करने हेतु केंद्रीय सब्सिडी दी जाती है, जिससे उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक निःशुल्क बिजली मिलती है। राजस्थान में आवासीय छतों हेतु नेट मीटरिंग की अनुमति उपलब्ध है तथा पीएम-कुसुम के तहत 60% तक सब्सिडी दी जाती है। अतः विकल्प A पूरी तरह सत्य है।

[DETAILED EXPLANATIONS SECTION]

प्रश्न 41: राजस्थान की खरीफ खाद्यान्न फसलों (बाजरा व मक्का) तथा कृषि-जलवायु खंडों के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: कथन I गलत है क्योंकि 'माही धवल' और 'माही कंचन' मक्का की किस्में हैं, बाजरा की नहीं (बाजरे की किस्में HHB-67, RHB-121 हैं)। कथन II पूरी तरह सत्य है; कृषि अनुसंधान केंद्र, बांसवाड़ा ने मक्का की माही कंचन व माही धवल किस्में विकसित की हैं जो IV-a खंड (आर्द्र दक्षिणी मैदान) हेतु उपयुक्त हैं। कथन III असत्य है क्योंकि जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर (खंड I-b/II-a) में मक्का की वाणिज्यिक खेती नहीं होती; वहाँ बाजरा व ग्वार मुख्य फसलें हैं। अतः केवल कथन II सही है।

प्रश्न 42: राजस्थान में सस्य प्रतिरूप के अंतर्गत रबी फसलों (गेहूँ एवं जौ) के प्रादेशिक वितरण के संदर्भ में

सही उत्तर: B

व्याख्या: श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कोटा, जयपुर और हाड़ौती क्षेत्र राजस्थान में गेहूँ के शीर्ष उत्पादक जिले हैं। गेहूँ शीतोष्ण/उपोष्ण कटिबंधीय फसल है जिसे दोमट मिट्टी, 10°-15°C बोते समय व पकते समय खिली धूप चाहिए। यद्यपि कथन (A) और कारण (R) दोनों तथ्यात्मक रूप से सत्य हैं, परंतु गेहूँ की आदर्श भौगोलिक दशाओं का होना ही केवल श्रीगंगानगर-कोटा में उत्पादन केंद्रित होने का एकमात्र कारण नहीं है (वहाँ नहरी सिंचाई की उपलब्धता भी मुख्य कारक है)। अतः R, A की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 43: राजस्थान में नकदी व व्यावसायिक फसलों (कपास एवं गन्ना) की भौगोलिक परिस्थितियों एवं उत्पादन क्षेत्रों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कपास हेतु 210 पाला-रहित दिन, उच्च तापमान और काली/जलोढ़ मिट्टी आदर्श होती है (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि भारत में उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र गन्ना उत्पादन में प्रथम हैं; राजस्थान का हिस्सा नगण्य है। इसके अतिरिक्त, राजस्थान में उत्पादित गन्ने का उपयोग गंगानगर शुगर मिल में चीनी तथा मद्य निर्माण हेतु भी किया जाता है, केवल गुड़ बनाने हेतु नहीं। अतः केवल निष्कर्ष I सही है।

प्रश्न 44: राजस्थान में पवन ऊर्जा, बायोगैस एवं बायोमास क्षमता एवं उनकी अवसंरचनात्मक इकाइयों को सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: राजस्थान की पहली पवन ऊर्जा परियोजना 10 अप्रैल 1999 को अमरसागर (जैसलमेर) में स्थापित की गई थी। दूसरी पवन ऊर्जा परियोजना देवगढ़ (प्रतापगढ़) में वर्ष 2004 में स्थापित हुई। मथानिया (जोधपुर) में एकीकृत सौर-पवन हाइब्रिड ऊर्जा केंद्र स्वीकृत किया गया था। राज्य का पहला बायोमास पावर प्लांट पदमपुर (श्रीगंगानगर) में राई/सरसों की भूसी पर आधारित स्थापित किया गया था। इस प्रकार सही सुमेलित क्रम a-4, b-3, c-2, d-1 है।

प्रश्न 45: राजस्थान में मृदा पारिस्थितिकी, मृदा प्रकारों एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना (SHC) के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: मृदा स्वास्थ्य कार्ड (SHC) योजना का शुभारंभ 19 फरवरी 2015 को सूरतगढ़ से हुआ। अर्द्ध-शुष्क/शुष्क क्षेत्रों में एरिडिसोल्स व एंटीसोल्स तथा हाडौती में काली मध्यम मिट्टी (वर्टिसोल्स) पाई जाती है। विकल्प D असंगत (गलत) है क्योंकि योजना के अंतर्गत खेतों के मृदा नमूनों का परीक्षण करके प्रत्येक 3 वर्ष के अंतराल पर (न कि 5 वर्ष) किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जाता है ताकि उर्वरकों का संतुलित उपयोग हो सके।

प्रश्न 46: राजस्थान की अद्यतन खनिज नीति, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) और खान ब्लॉक नीलामी प्रक्रिया से संबंधित

सही उत्तर: B

व्याख्या: खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2015 के तहत प्रत्येक जिले में खनन प्रभावित व्यक्तियों और क्षेत्रों के हित एवं लाभ के लिए जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) की स्थापना की गई। इस गैर-लाभकारी निकाय की शासी परिषद (Governing Council) के अध्यक्ष संबंधित जिले के जिला कलेक्टर / जिला मजिस्ट्रेट (District Collector) होते हैं। खनन पट्टाधारक निर्धारित दर पर रॉयल्टी का एक अंश (10% से 30%) इस फंड में जमा करते हैं।

प्रश्न 47: राजस्थान के जनजातीय क्षेत्रों (टीएसपी/TSP एरिया) की सस्य अर्थव्यवस्था और पारंपरिक कृषि पद्धतियों के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: B

व्याख्या: दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में जनजातियों (भील एवं गरासिया) द्वारा वनों को जलाकर की जाने वाली स्थानांतरित (झूमिंग) कृषि को 'वाल्दा' या 'वालरा' कहा जाता है। भील जनजाति द्वारा पहाड़ी ढालों के वनों को साफ करके की जाने वाली कृषि 'चीमाता' कहलाती है, जबकि मैदानी भागों में वनों को जलाकर की जाने वाली कृषि को 'दजिया' कहा जाता है। अतः विकल्प B पूरी तरह से सत्य एवं प्रामाणिक विवरण प्रस्तुत करता है।

प्रश्न 48: राजस्थान में खरीफ की प्रमुख फसलों की उन्नत किस्मों एवं अनुसंधान केंद्रों के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I सत्य है; RHB-177 और HHB-67 बाजरे की प्रसिद्ध संकर किस्में हैं। कथन II भी सत्य है; काजरी (CAZRI), जोधपुर ने शुष्क क्षेत्रों हेतु सूखा-सहनशील किस्में बनाई हैं। कथन III असत्य है क्योंकि 'माही सुगंधा' महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MPAUT), उदयपुर द्वारा विकसित 'चावल' (Rice)

की सुगन्धित किस्म है, न कि मक्का की (मक्का की किस्में माही कंचन व माही धवल हैं)। अतः केवल कथन 1 और 2 सही हैं।

प्रश्न 49: राजस्थान में जौ (Barley) की खेती एवं औद्योगिक उपयोग के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: B

व्याख्या: राजस्थान में जौ उत्पादन में जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और अलोवर जिले अग्रणी हैं। जौ एक रबी फसल है जो कम पानी व लवणीय मिट्टी में भी उग सकती है। औद्योगिक रूप से जौ से 'माल्ट' (Malt) तैयार किया जाता है जिसका उपयोग बीयर, डिस्टिलरी और हेल्थ ड्रिंक्स (जैसे हॉर्लिव्स) में होता है। यद्यपि कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु औद्योगिक मांग होना ही केवल जौ का भौगोलिक उत्पादन होने का सीधा कारण नहीं है; जलवायु भी प्रमुख कारक है।

प्रश्न 50: राजस्थान में गन्ना (Sugarcane) एवं चीनी मिलों की स्थिति के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण कीजिए:

सही उत्तर: A

व्याख्या: गंगानगर शुगर मिल (सार्वजनिक क्षेत्र) में 1968 में एशिया का पहला चुकंदर से चीनी बनाने का संयंत्र (Sugarbeet Plant) स्थापित किया गया था (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि राजस्थान में केवल तीन प्रमुख चीनी मिलें (गंगानगर - सरकारी, मेवाड़ - निजी, केशोरायपाटन - सहकारी) स्थापित रहीं, जिनमें से वर्तमान में केशोरायपाटन बंद है। राजस्थान भारत में चीनी का प्रमुख निर्यातक नहीं है। अतः केवल निष्कर्ष I सही है।

प्रश्न 51: राजस्थान में पवन ऊर्जा परियोजनाओं एवं उनकी स्थापित क्षमता के प्रमुख केंद्रों को उनके संबंधित जिलों से सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: बड़ा बाग पवन ऊर्जा संयंत्र जैसलमेर में निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित प्राथमिक पार्क है। सोडा बांध/हंसुआ क्षेत्र जैसलमेर जिले में पवन ऊर्जा उत्पादन का बड़ा केंद्र है। फलोदी (पूर्व जोधपुर/वर्तमान फलोदी जिला) पवन ऊर्जा उत्खनन हेतु चिह्नित क्षेत्र है। आकल गाँव (जैसलमेर) में आकल पवन ऊर्जा संयंत्र स्थित है। इस प्रकार सही कूट अनुक्रम a-3, b-4, c-1, d-2 बनता है।

प्रश्न 52: राजस्थान में बायोगैस एवं बायोमास (Biomass Power) ऊर्जा उत्पादन के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: राजस्थान में बायोमास ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। राज्य में राई/सरसों की तूड़ी (Mustard Husk), जूलीप्लोरा (विलायती बबूल) और गन्ने की खोई (Bagasse) जैसे कृषि अपशिष्ट प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। पहला बायोमास प्लांट पदमपुर (श्रीगंगानगर) में लगा था। अतः विकल्प D पूरी तरह असंगत/गलत है क्योंकि यह राजस्थान में बायोमास संसाधनों की मौजूदगी का खंडन करता है।

प्रश्न 53: राजस्थान की 'राज्य खनिज नीति-2015' (Rajasthan State Mineral Policy 2015) के रणनीतिक प्रावधानों से संबंधित

सही उत्तर: C

व्याख्या: राजस्थान की चतुर्थ राज्य खनिज नीति 4 जून 2015 को जारी की गई थी। इस नीति का मुख्य उद्देश्य खनन पट्टों का पारदर्शी आवंटन (ई-नीलामी द्वारा) और खनिजों का वैज्ञानिक दोहन था। इस नीति के तहत खदानों में दीर्घकालिक निवेश और स्थिरता को बढ़ावा देने हेतु अप्रधान/मुख्य खनिजों के खनन पट्टों (Mining Leases) की अवधि को 30 वर्ष से बढ़ाकर अधिकतम 50 वर्ष कर दिया गया था।

प्रश्न 54: राजस्थान के कृषि-जलवायु खंडों (Agro-Climatic Zones) और उनमें बोई जाने वाली प्रमुख फसलों के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: A

व्याख्या: कृषि-जलवायु खंड I-a (शुष्क पश्चिमी मैदान) में बाड़मेर और जोधपुर जिले आते हैं जहाँ कम वर्षा के कारण बाजरा, ग्वार, मोठ और तिल मुख्य खरीफ फसलें हैं। विकल्प B गलत है क्योंकि खंड V हाड़ौती क्षेत्र (कोटा संभाग) में है। विकल्प C गलत है क्योंकि खंड II-a में बाजरा, दालें और दलहन उगाए जाते हैं। विकल्प D गलत है क्योंकि राजस्थान को कुल 10 कृषि-जलवायु खंडों (I-a से V तक) में बांटा गया है।

प्रश्न 55: राजस्थान की मृदा में क्षारीयता (Alkalinity) व लवणीयता (Salinity) की समस्या तथा उसके जैविक/रासायनिक उपचार पर विचार

सही उत्तर: A

व्याख्या: सिंचित क्षेत्रों में केशिकत्व (Capillarity) क्रिया द्वारा लवण धरातल पर आ जाते हैं जिन्हें 'रेह' या 'कल्लर' कहते हैं। क्षारीय मृदा (pH > 8.5) के उपचार हेतु जिप्सम का प्रयोग किया जाता है। कथन III गलत है क्योंकि अम्लीय मृदा (pH < 6.0) के सुधार हेतु चूना (Lime/Calcium Carbonate) का प्रयोग किया जाता है, जो इसका मानक उपचार है। अतः केवल कथन I और कथन II सत्य हैं।

प्रश्न 56: राजस्थान में मक्का (Maize) की खेती एवं इसके औद्योगिक महत्व के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: B

व्याख्या: मेवाड़ का लाल-लोमी मिट्टी वाला क्षेत्र (उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा) मक्का उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। मक्का एक खाद्यान्न के साथ-साथ औद्योगिक कच्चा माल है जिससे स्टार्च, पोल्ट्री फीड, और बायो-एथेनॉल बनाया जाता है। यद्यपि कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु औद्योगिक उपयोग होना मेवाड़ में ऐतिहासिक भौगोलिक परिस्थितियों के कारण मक्का उगाए जाने का कारण नहीं है। अतः R, A की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न 57: राजस्थान में पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा नीति-2019 (Wind & Hybrid Energy Policy 2019) के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण

सही उत्तर: A

व्याख्या: राजस्थान पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा नीति-2019 का उद्देश्य 2024-25 तक 4,000 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता हासिल करना था। इस नीति में पुरानी कम क्षमता की पवन टरबाइनों के स्थान पर नई उच्च क्षमता की टरबाइनें लगाने (Repowering of Wind Power Plants) हेतु विशेष वित्तीय व तकनीकी प्रावधान शामिल किए गए थे (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II गलत है क्योंकि नीति का ध्येय पवन ऊर्जा को प्रोत्साहित करना है, न कि प्रतिबंधित करना।

प्रश्न 58: राजस्थान के कृषि-जलवायु खंडों (Agro-Climatic Zones) और उनके मुख्य जिलों को सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: खंड I-a (शुष्क पश्चिमी मैदान) में बाड़मेर और जोधपुर आते हैं। खंड III-a (अर्द्ध-शुष्क पूर्वी मैदान) में जयपुर, अजमेर, दौसा और टोंक शामिल हैं। खंड IV-a (आर्द्र दक्षिणी मैदान) में भीलवाड़ा, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ शामिल हैं। खंड V (आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदान) में हाड़ौती के जिले—कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ आते हैं। अतः सही सुमेलित क्रम a-3, b-4, c-2, d-1 है।

प्रश्न 59: राजस्थान में ग्वार (Guar) की खेती एवं इसके निर्यात मूल्य के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: राजस्थान भारत में ग्वार का सबसे बड़ा उत्पादक (70%+ हिस्सा) है। ग्वार गम का उपयोग शेल गैस निष्कर्षण (Fracking) और उद्योगों में होता है। ग्वार एक लेग्युमिनस फसल है जो नाइट्रोजन स्थिरीकरण करती है। विकल्प D असंगत (गलत) है क्योंकि ग्वार एक खरीफ फसल (Kharif Crop) है जिसे मानसूनी वर्षा के दौरान बोया जाता है तथा यह एक अत्यंत कम जल-मांग वाली शुष्क सहनशील फसल है, न कि रबी या अत्यधिक सिंचाई वाली फसल।

प्रश्न 60: राजस्थान में 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' (Soil Health Card) योजना के अंतर्गत मापे जाने वाले पोषक तत्वों की कुल संख्या कितनी है?

सही उत्तर: A

व्याख्या: मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत कुल 12 मानकों/पोषक तत्वों की जाँच की जाती है। इनमें शामिल हैं: 3 मुख्य पोषक तत्व (N, P, K), 3 गौण पोषक तत्व (S, Ca, Mg में से मुख्यतः सल्फर), 5 सूक्ष्म पोषक तत्व (Zn, Fe, Cu, Mn, B) तथा 1 भौतिक-रासायनिक मापदण्ड (pH, EC व कार्बनिक कार्बन/OC)। इनके आधार पर किसानों को उनके खेत के लिए संतुलित खाद की सिफारिश दी जाती है।

[DETAILED EXPLANATIONS SECTION]

प्रश्न 61: जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान में जनसंख्या घनत्व, लिंगानुपात एवं शिशु लिंगानुपात के प्रादेशिक प्रतिरूपों पर विचार कीजिए:

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I सत्य है; जयपुर (595) और भरतपुर (503) शीर्ष घनत्व वाले जिले हैं तथा जैसलमेर न्यूनतम (17) घनत्व वाला जिला है। कथन II भी सत्य है; राज्य का औसत लिंगानुपात 928 है, जिसमें झुंजरपुर (994) सर्वाधिक व धौलपुर (846) न्यूनतम है। कथन III गलत है क्योंकि राजस्थान में ग्रामीण शिशु लिंगानुपात (892) शहरी शिशु लिंगानुपात (874) से अधिक है, तथा झुंझुनूं व धौलपुर शिशु लिंगानुपात में सबसे निचले पायदान पर हैं (बांसवाड़ा 934 के साथ राज्य में शीर्ष पर है)।

प्रश्न 62: राजस्थान में मीणा एवं भील जनजातियों के भौगोलिक वितरण तथा सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन कीजिए:

सही उत्तर: B

व्याख्या: मीणा जनजाति राजस्थान की कुल जनजातीय जनसंख्या का लगभग 47% हिस्सा बनाते हुए सबसे बड़ा समूह है। इनका संकेंद्रण मुख्यतः जयपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर और उदयपुर जिलों में पाया जाता है (कथन A सही)। ऐतिहासिक रूप से मीणा समाज दो वर्गों में विभाजित रहा: 'जमींदार मीणा' (कृषि कार्य करने वाले) और 'चौकीदार मीणा' (राजप्रासादों व किलों की सुरक्षा करने वाले) (कारण R सही)। यद्यपि दोनों तथ्य प्रामाणिक व सत्य हैं, परंतु सामाजिक वर्गीकरण होना मीणा जनजाति के जयपुर-दौसा क्षेत्र में भौगोलिक संकेंद्रण का कारण नहीं है।

प्रश्न 63: राजस्थान की गरासिया, सहरिया एवं डामोर जनजातियों की सामाजिक विशेषताओं एवं टीएडी (TAD) नीतियों के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण कीजिए:

सही उत्तर: A

व्याख्या: सहरिया जनजाति बारां जिले की शाहबाद व किशनगंज तहसीलों में पाई जाती है तथा यह राजस्थान की एकमात्र अति-पिछड़ी जनजाति है जिसे केंद्र द्वारा PVTG का दर्जा दिया गया है। इनके गाँव को 'सहराना', मुखिया को 'कोतवाल' तथा पंचायत स्थल को 'हताई/बंगला' कहते हैं (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि सहरिया जनजाति अत्यधिक सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन से जूझ रही है और इनमें साक्षरता दर राज्य के औसत से काफी कम है।

प्रश्न 64: राजस्थान की विभिन्न जनजातियों एवं उनसे संबंधित विशिष्ट सामाजिक/सांस्कृतिक शब्दावलियों को सुमेलित कीजिए:

सूची I

- a) भील
- b) गरासिया
- c) सहरिया
- d) डामोर

सूची II

- I) फैटा, फालिया, हुरु
- II) सहराना, धारी प्रथा, हताई
- III) ठेपाड़ा, अटकी, फला
- IV) फला, मुखी, चालिया

- A) a-III, b-I, c-IV, d-II
- B) a-III, b-I, c-II, d-IV
- C) a-I, b-III, c-II, d-IV
- D) a-IV, b-I, c-II, d-III

सही उत्तर: B

व्याख्या: भील जनजाति में तंग धोती को 'ठेपाड़ा', वंश/गोत्र को 'अटकी' तथा छोटे गाँव को 'फला' कहते हैं। गरासिया जनजाति में सफेद साफे को 'फैटा', गाँव को 'फालिया' तथा मृतक के स्मारक को 'हुरे' कहते हैं। सहरिया जनजाति की बस्ती 'सहराना', विश्राम गृह 'हताई' तथा अंतिम संस्कार प्रथा 'धारी प्रथा' कहलाती है। डामोर जनजाति में गाँव की इकाई 'फला', गाँव का मुखिया 'मुखी' तथा छैल-छबीला मेला 'चालिया' उत्सव कहलाता है। अतः सही मिलान 3-1-2-4 है।

प्रश्न 65: राजस्थान में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001-2011) एवं स्थानिक जनसांख्यिकीय प्रतिरूपों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असंगत (गलत) है?

सही उत्तर: D

व्याख्या: 2001-2011 के दशक में राजस्थान की कुल जनसंख्या वृद्धि दर 21.31% रही। बाड़मेर (32.5%) सर्वाधिक वृद्धि दर तथा श्रीगंगानगर (10.0%) न्यूनतम वृद्धि दर वाला जिला रहा। कथन D असंगत/गलत है क्योंकि पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों (जैसे बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर) की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (उच्च जन्म दर एवं प्रवासन के कारण) पूर्वी मैदानी जिलों की तुलना में अत्यधिक उच्च (25% से 32%) दर्ज की गई थी, न कि कम।

प्रश्न 66: राजस्थान में साक्षरता प्रवृत्तियों और महिला साक्षरता विषमताओं से संबंधित निम्नलिखित विवरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सही उत्तर: B

व्याख्या: 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में महिला साक्षरता दर केवल 52.12% है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे है। राज्य में सर्वाधिक महिला साक्षरता कोटा जिले (65.9%) में दर्ज की गई। वहीं, जालौर जिला मात्र 38.5% महिला साक्षरता दर के साथ राज्य में सबसे निचले (अंतिम) पायदान पर रहा। जालौर के पश्चात् सिराही (39.7%) और बाड़मेर (40.6%) का स्थान आता है।

प्रश्न 67: राजस्थान में शिशु लिंगानुपात (0-6 वर्ष) की स्थिति एवं क्षेत्रीय विषमताओं के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: C

व्याख्या: 2011 की जनगणना में राजस्थान का कुल शिशु लिंगानुपात (0-6 आयु वर्ग) 888 दर्ज किया गया जो 2001 के 909 से 21 अंक कम है। कथन C सत्य है क्योंकि बांसवाड़ा जिला 934 के शिशु लिंगानुपात के साथ राज्य में प्रथम स्थान पर रहा है। झुंझुनूं का शिशु लिंगानुपात सबसे कम (837) दर्ज किया गया था। शहरी क्षेत्रों का शिशु लिंगानुपात (874) ग्रामीण क्षेत्रों (892) की तुलना में कम दर्ज किया गया।

प्रश्न 68: जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान में जनसंख्या घनत्व के स्थानिक वितरण पर विचार कीजिए:

सही उत्तर: C

व्याख्या: 2011 में राजस्थान का जनसंख्या घनत्व 200 व्यक्ति/वर्ग किमी था (2001 के 165 से 35 अधिक)। केवल जयपुर (595) और भरतपुर (503) का घनत्व 500 से अधिक है। राज्य में 100 से कम घनत्व वाले तीन जिले जैसलमेर (17), बीकानेर (78) और बाड़मेर (92) हैं। अतः तीनों कथन I, II और III तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह सत्य हैं।

प्रश्न 69: राजस्थान में भील जनजाति की सामाजिक अवसंरचना एवं पारिभाषिक शब्दावलियों के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन कीजिए:

सही उत्तर: B

व्याख्या: भील समुदाय राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा जनजातीय समूह है (मुख्य संकेंद्रण उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर)। इनके कच्चे/खपरैल वाले घरों को 'टापरा' या 'कु' तथा गाँव के मुखिया को 'गमेती' कहा जाता है (कथन A सही)। भील जनजाति में महुआ के पेड़ से निर्मित मदिरा 'डीझड़ी' का प्रयोग पूजा व समारोहों में होता

है और इसे पवित्र वृक्ष मानते हैं (कारण R सही)। दोनों कथन सत्य हैं, परंतु महुआ का महत्व होना गाँव के मुखिया को 'गमेती' कहने का कारण नहीं है।

प्रश्न 70: राजस्थान की जनजातियों में प्रचलित विवाह पद्धतियों एवं सामाजिक रीति-रिवाजों के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण कीजिए:

सही उत्तर: A

व्याख्या: गरासिया जनजाति आबू रोड, पिंडवाड़ा (सिरोही) व बाली (पाली) में पाई जाती है। इनमें 'मोर बांधिया' (ब्रह्म विवाह), 'ताणना' (वर पक्ष द्वारा दापा देना) व 'मेलबो' विवाह प्रचलित हैं। वैशाख पूर्णिमा पर सिरोही में भरने वाला 'गौर का मेला' जीवनसाथी चुनने का अवसर देता है (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि गरासिया समाज में मृतक की याद में बनाए जाने वाले स्मारक को 'हुरे' (Hurre) कहा जाता है, न कि 'हुरे'।

प्रश्न 71: राजस्थान की प्रमुख जनजातियों एवं उनके मुख्य संकेंद्रण वाले जिलों को सुमेलित कीजिए:

सूची I

- a) डामोर
- b) कत्यौड़ी
- c) सांसी
- d) कंजर

सूची II

- I) कोटा, बारां, झालावाड़
- II) भरतपुर
- III) उदयपुर (कोटड़ा, झाड़ोल)
- IV) डूंगरपुर (सीमलवाड़ा)

- A) a-I, b-III, c-II, d-IV
- B) a-IV, b-III, c-II, d-I
- C) a-IV, b-II, c-III, d-I
- D) a-III, b-IV, c-I, d-II

सही उत्तर: B

व्याख्या: डामोर जनजाति मुख्यतः डूंगरपुर जिले की सीमलवाड़ा तहसील में निवास करती है। कत्यौड़ी जनजाति उदयपुर के कोटड़ा, झाड़ोल व फलासिया में निवास करती है। सांसी जनजाति का सर्वाधिक संकेंद्रण भरतपुर जिले में पाया जाता है। कंजर जनजाति हाड़ौती क्षेत्र के कोटा, बूंदी व बारां जिलों में पाई जाती है। अतः सही कूट अनुक्रम a-IV, b-III, c-II, d-I है।

प्रश्न 72: राजस्थान में जनजातीय क्षेत्रीय विकास (TAD) विभाग और योजनाओं के संचालन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असंगत (गलत) है?

सही उत्तर: D

व्याख्या: जनजातीय क्षेत्रीय विकास (TAD) विभाग का गठन 1975 में उदयपुर मुख्यालय के साथ हुआ। माडा (MADA) योजना टीएसपी क्षेत्र से बाहर बिखरी जनजातियों हेतु चलाई गई। 'स्वच्छ परियोजना' बांसवाड़ा व उदयपुर में नारू उन्मूलन हेतु शुरू हुई थी। विकल्प D असंगत (गलत) है क्योंकि जनजातीय उप-योजना (TSP

Area) के अंतर्गत केवल उन्हीं तहसीलों/खंडों को शामिल किया जाता है जहाँ जनजातीय आबादी कम से कम 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो, न कि 10 प्रतिशत।

प्रश्न 73: राजस्थान में शहरीकरण की गति और नगरीय जनसांख्यिकी से संबंधित विवरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सही उत्तर: B

व्याख्या: 2011 की जनगणना में राजस्थान की नगरीय जनसंख्या 25.1% थी। कोटा जिला 55.3% नगरीय जनसंख्या अनुपात के साथ राज्य में प्रथम स्थान पर है, जहाँ आधी से अधिक आबादी शहरों में रहती है। कोटा के पश्चात् जयपुर (52.4%) और अजमेर (40.1%) का स्थान आता है। इसके विपरीत, जालौर (8.3%) और प्रतापगढ़ (8.3%) राज्य में सबसे कम नगरीय जनसंख्या अनुपात वाले जिले हैं।

प्रश्न 74: राजस्थान की 'साक्षरता प्रवृत्तियों' (2011) के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: A

व्याख्या: 2011 की जनगणना के अनुसार कोटा जिला 76.6% की कुल साक्षरता दर के साथ राजस्थान में शीर्ष स्थान पर है। कथन B गलत है क्योंकि पुरुष साक्षरता में सबसे नीचे प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा (69.5%) हैं। कथन C गलत है क्योंकि झुंझुनूं की पुरुष साक्षरता 86.9% है जो सर्वाधिक है (लेकिन वाक्य का ढांचा गलत है—झुंझुनूं में पुरुष साक्षरता 86.9% ही है, पर कथन में अतिरंजना है; कोटा साक्षरता में सर्वोच्च है)। कथन D असत्य है। अतः कथन A पूर्णतः प्रामाणिक है।

प्रश्न 75: राजस्थान में लिंगानुपात के ग्रामीण-शहरी अंतर एवं प्रादेशिक प्रतिरूपों पर विचार कीजिए:

सही उत्तर: A

व्याख्या: कथन I सत्य है; 2011 में ग्रामीण लिंगानुपात 933 तथा शहरी लिंगानुपात 914 दर्ज किया गया। कथन II सत्य है; पाली जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का लिंगानुपात 1003 है जो राज्य में एकमात्र 1000 से अधिक है। कथन III असत्य है क्योंकि धौलपुर (846 ग्रामीण) और जैसलमेर (852 ग्रामीण) अति-निम्न लिंगानुपात वाले जिले हैं जहाँ शहरी लिंगानुपात भी अत्यंत चिंताजनक स्तर पर है। अतः केवल कथन 1 और 2 सत्य हैं।

प्रश्न 76: राजस्थान की कंजर और सांसी जनजातियों के सामाजिक-भौगोलिक ताने-बाने के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन कीजिए:

सही उत्तर: B

व्याख्या: कंजर जनजाति कोटा, बूंदी, झालावाड़ में निवास करती है तथा इनमें अपराध/चोरी से पूर्व हनुमान जी या चौथ माता से आशीर्वाद लेने की परंपरा 'पाती मांगना' कहलाती है (कथन A सही)। सांसी जनजाति (बीजा और माला दो उपजातियां) भरतपुर में पाई जाती है तथा इनमें नवविवाहिता की चारित्रिक परीक्षा 'कुकड़ी प्रथा' द्वारा ली जाती है (कारण R सही)। दोनों कथन सत्य हैं, परंतु सांसी जनजाति की कुकड़ी प्रथा होना कंजर जनजाति में 'पाती मांगना' का कारण नहीं है।

प्रश्न 77: राजस्थान की कत्यौड़ी और डामोर जनजातियों की विशिष्ट जीवन शैली के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण कीजिए:

सही उत्तर: B

व्याख्या: कल्यौड़ी जनजाति उदयपुर में पाई जाती है। कल्यौड़ी महिलाएँ मराठी अंदाज में जो साड़ी पहनती हैं उसे 'फड़का' कहा जाता है, परंतु निष्कर्ष । गलत है क्योंकि कल्यौड़ी समुदाय में पुरुष एवं महिलाएँ दोनों अत्यधिक मदिरा/शराब का सेवन करते हैं। निष्कर्ष ॥ पूरी तरह सत्य है क्योंकि डामोर समाज पुरुष प्रधान होने के बावजूद राजस्थान की एकमात्र ऐसी जनजाति है जिसमें पुरुष भी महिलाओं की भाँति गहने/आभूषण पहनने का शौक रखते हैं।

प्रश्न 78: राजस्थान के विभिन्न जिलों और उनमें 2011 की जनगणना के अनुसार दर्ज लिंगानुपात को सुमेलित कीजिए:

सूची I (जिले)

- a) राजसमंद
- b) डूंगरपुर
- c) पाली
- d) प्रतापगढ़

सूची II (लिंगानुपात - 2011)

- I) 994
- II) 990
- III) 987
- IV) 983

- A) a-II, b-I, c-III, d-IV
- B) a-II, b-I, c-IV, d-III
- C) a-I, b-II, c-III, d-IV
- D) a-III, b-I, c-II, d-IV

सही उत्तर: A

व्याख्या: 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान के सर्वोच्च लिंगानुपात वाले चार जिले हैं: डूंगरपुर (994), राजसमंद (990), पाली (987) तथा प्रतापगढ़ (983)। इसके विपरीत न्यूनतम लिंगानुपात वाले चार जिले हैं: धौलपुर (846), जैसलमेर (852), करौली (861) तथा भरतपुर (877)। इस प्रकार सही सुमेलित अनुक्रम a-II, b-I, c-III, d-IV है।

प्रश्न 79: राजस्थान में अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या के अनुपात एवं वितरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असंगत (गलत) है?

सही उत्तर: D

व्याख्या: 2011 में राजस्थान की कुल आबादी में ST का हिस्सा 13.48% था। बांसवाड़ा (76.4%) सर्वोच्च प्रतिशत वाला जिला है। बीकानेर व नागौर में ST आबादी नगण्य (0.3%) है। विकल्प D असंगत/गलत है क्योंकि राजस्थान की कुल अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या में सर्वाधिक संख्या मीणा समुदाय की है (लगभग 47%) तथा भील समुदाय संख्याबल की दृष्टि से दूसरे स्थान पर आता है, न कि इसका उल्टा।

प्रश्न 80: 'जनजातीय उप-योजना' (TSP Area) के अंतर्गत राजस्थान के कौन-से जिले पूर्णतः या अंशतः शामिल किए गए हैं?

सही उत्तर: B

व्याख्या: राजस्थान में जनजातीय उप-योजना (TSP) के तहत राज्य के 8 दक्षिणी जिलों के 5,697 गाँवों को शामिल किया गया है। इसमें 3 जिले—बांसवाड़ा, डूंगरपुर तथा प्रतापगढ़ पूर्ण रूप से टीएसपी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, जबकि 5 जिले—उदयपुर, सिरोही, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ तथा पाली के विशिष्ट जनजातीय बहुल खंड अंशतः शामिल किए गए हैं।

[DETAILED EXPLANATIONS SECTION]

प्रश्न 81: राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यानों एवं रामसर आर्द्रभूमि (Ramsar Sites) के संदर्भ में

सही उत्तर: A

व्याख्या: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को 1981 में रामसर सूची और 1985 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था (कथन I सही)। सांबर झील को 23 मार्च 1990 को रामसर स्थल घोषित किया गया था, न कि 1974 में (कथन II गलत)। राष्ट्रीय मरु उद्यान (3162 वर्ग किमी) राज्य का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है जहाँ 18 करोड़ वर्ष पुराना 'अकल वुड फॉसिल पार्क' स्थित है (कथन III सही)। अतः केवल कथन 1 और 3 सही हैं।

प्रश्न 82: राजस्थान में बाघ संरक्षण (Tiger Reserves) एवं लेपर्ड सफारी के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: C

व्याख्या: रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान को 'भारतीय बाघों का घर' कहा जाता है। इसे 1973-74 में शुरू हुए प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किया गया था (कथन A सही)। परंतु कारण (R) पूरी तरह असत्य है क्योंकि सरिस्का और रणथंभौर के बीच बाघों की आवाजाही के लिए राजमार्गों को बंद नहीं किया गया है, बल्कि ग्रीन कॉरिडोर और इको-ड्यूक्ट्स का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अतः कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

प्रश्न 83: राजस्थान के विभिन्न पर्यटन सर्किटों (Tourist Circuits) एवं बुनियादी पर्यटन विकास के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण

सही उत्तर: A

व्याख्या: मरु त्रिकोण में मूलतः जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर शामिल थे, जिसमें बाद में बाड़मेर को जोड़कर 'मरु सर्किट' विस्तारित किया गया (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि राजस्थान में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने की सिफारिश मोहम्मद युनुस समिति ने वर्ष 1989 (4 मार्च 1989) में की थी, न कि वर्ष 2005 में। इसके साथ ही राजस्थान पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने वाला देश का पहला राज्य बना था।

प्रश्न 84: राजस्थान के प्रमुख कंजर्वेशन रिजर्व (Conservation Reserves) को उनके संबंधित जिलों के साथ सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: बीसलपुर कंजर्वेशन रिजर्व टोंक जिले में स्थित है। जोहड़बीड़ गाढ़वाला कंजर्वेशन रिजर्व बीकानेर जिले में स्थित है जहाँ गिद्ध संरक्षण केंद्र भी है। शाकंभरी कंजर्वेशन रिजर्व का विस्तार झुंझुनू और सीकर जिलों में फैला है। रोटू कंजर्वेशन रिजर्व नागौर जिले का छोटा संरक्षित क्षेत्र है जहाँ काले हिरण और चिंकारा पाए जाते हैं। इस प्रकार सही सुमेलित क्रम a-IV, b-I, c-II, d-III बनता है।

प्रश्न 85: राजस्थान के रामसर स्थलों, वन्यजीव अभ्यारण्यों एवं इको-टूरिज्म के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: केवलादेव मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड (1990) में शामिल है। ताल छापर काले हिरणों और कुरंजा हेतु प्रसिद्ध है। मुकुंदरा हिल्स 2012 में राष्ट्रीय उद्यान तथा 2013 में तीसरा टाइगर रिजर्व बना। विकल्प D असंगत/गलत है क्योंकि भारत सरकार का वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 राजस्थान में 1 सितंबर 1973 से लागू किया गया था (1972 से नहीं)। अतः विकल्प D असत्य होने के कारण सही उत्तर है।

प्रश्न 86: राजस्थान के विश्व धरोहर स्थलों एवं भू-वैज्ञानिक स्मारकों (Geo-Heritage Sites) से संबंधित

सही उत्तर: A

व्याख्या: जून 2013 में कंबोडिया के नोम पेन्ह में आयोजित यूनेस्को की 37वीं विश्व धरोहर समिति की बैठक में राजस्थान के छह प्रसिद्ध पहाड़ी किलों—चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़ दुर्ग (राजसमंद), रणथंभौर दुर्ग (सवाई माधोपुर), गागरोन दुर्ग (झालावाड़), आमेर दुर्ग (जयपुर) तथा जैसलमेर का किला (सोनारगढ़) को एक साथ विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल किया गया था।

प्रश्न 87: राजस्थान में लेपर्ड सफारी (Leopard Safari) और उनके प्रमुख संरक्षण क्षेत्रों के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: A

व्याख्या: जयपुर का झालाना लेपर्ड रिजर्व भारत का पहला समर्पित लेपर्ड सफारी पार्क है जिसे 2017 में पर्यटकों के लिए खोला गया था। जवाई बांध (पाली) में तेंदुए प्राकृतिक ग्रेनाइट पहाड़ियों पर खुले में घूमते हैं। आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व जयपुर जिले में स्थित है (कोटा में नहीं)। जयसमंद लेपर्ड सफारी उदयपुर जिले में जयसमंद अभ्यारण्य में स्थित है (जैसलमेर में नहीं)। अतः केवल विकल्प A सही है।

प्रश्न 88: राजस्थान के वन्यजीव अभ्यारण्यों की विशिष्ट भौगोलिक विशेषताओं एवं संकटग्रस्त प्रजातियों पर विचार

सही उत्तर: A

व्याख्या: सीतामाता अभ्यारण्य वुडप्लाइंग स्किरल (उड़न गिलहरी) और 'चोसिंगा' (चौसिंगा/घोटारू) का मुख्य प्राकृतिक आवास है। भैंसरोड़गढ़ अभ्यारण्य चंबल और बामनी नदियों के संगम पर स्थित है। कथन III गलत है क्योंकि बंद बरेठा (भरतपुर) पक्षियों के लिए प्रसिद्ध 'परिदों का घर' तो कहलाता है, परंतु यह हाथियों के लिए नहीं बल्कि वॉटरफॉल और दुर्लभ पक्षियों के लिए जाना जाता है। अतः केवल कथन 1 और 2 सही हैं।

प्रश्न 89: राजस्थान में 'रामगढ़ विषधारी' एवं 'धौलपुर-करौली' टाइगर रिजर्व के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: A

व्याख्या: बूंदी जिले में स्थित रामगढ़ विषधारी अभ्यारण्य को मई 2022 में भारत का 52वां और राजस्थान का चौथा टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। यह रणथंभौर टाइगर रिजर्व और मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व के बीच एक प्राकृतिक गलियारे (Corridor) के रूप में कार्य करता है जो बाघों के स्वच्छंद विचरण हेतु आवश्यक है। यहाँ कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण R कथन A की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 90: राजस्थान की नई पर्यटन नीति एवं इको-टूरिज्म पहलों के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण

सही उत्तर: A

व्याख्या: राजस्थान इको-टूरिज्म नीति-2021 के तहत प्रकृति प्रेमी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रत्येक जिले में दो-दो 'लव-कुश वाटिकाएं' (इको-पार्क) विकसित करने का निर्णय लिया गया है (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II पूरी तरह गलत है क्योंकि इस नीति का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण-अनुकूल टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ावा देना और नियंत्रित प्रवेश प्रदान करना है, न कि पर्यटकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना।

प्रश्न 91: राजस्थान के प्रसिद्ध पर्यटन परिपथों (Tourist Circuits) और उनके अंतर्गत आने वाले मुख्य क्षेत्रों को सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: शेखावाटी सर्किट के अंतर्गत सीकर, झुंझुनूं और चुरू जिले आते हैं। मेवात सर्किट में अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली शामिल हैं। दूंदवाड़ा सर्किट में जयपुर, अमेर, दौसा और सांभर क्षेत्र शामिल हैं। हाड़ौती सर्किट में कोटा, बूंदी, झालावाड़ और बारां जिले आते हैं। अतः सही सुमेलित अनुक्रम a-II, b-IV, c-I, d-III है।

प्रश्न 92: राजस्थान में राष्ट्रीय उद्यानों एवं वन्यजीवों के कानूनी वर्गीकरण के संदर्भ में

सही उत्तर: D

व्याख्या: राष्ट्रीय मरु उद्यान (जैसलमेर-बाड़मेर) 3162 वर्ग किमी में फैला एक 'वन्यजीव अभ्यारण्य' (Wildlife Sanctuary) है। इसे बोलचाल में 'राष्ट्रीय मरु उद्यान' कहा जाता है, परंतु इसे अभी तक वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत अधिसूचित 'राष्ट्रीय उद्यान' (National Park) का कानूनी दर्जा प्राप्त नहीं हुआ है, और इसमें कई राजस्व गाँव स्थित हैं। अतः विकल्प D असंगत/गलत है।

प्रश्न 93: राजस्थान में बाघ संरक्षण (Project Tiger) के इतिहास और नवीनतम टाइगर रिजर्व से संबंधित

सही उत्तर: B

व्याख्या: अगस्त 2023 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा अनुमोदित धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व राजस्थान का 5वां टाइगर रिजर्व बना। इस नए रिजर्व का कुल क्षेत्रफल लगभग 1058 वर्ग किमी है, जिसमें मुख्यतः करौली का कैला देवी वन्यजीव अभ्यारण्य और धौलपुर जिले के डांग व सरमथुरा के वन क्षेत्र शामिल किए गए हैं।

प्रश्न 94: राजस्थान के भू-वैज्ञानिक स्मारकों (Geo-Heritage Sites) और पुरातात्विक पर्यटन स्थलों के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

सही उत्तर: D

व्याख्या: अकल वुड फॉसिल पार्क (जैसलमेर) में 180 मिलियन वर्ष पुराने काष्ठ जीवाश्म हैं। रामगढ़ क्रेटर (बारां) उल्कापिंड गिरने से निर्मित एक दुर्लभ क्रेटर है जिसे जियो-हेरिटेज स्थल माना गया है। झालावाड़ का कॉलमिनर बेसाल्ट दक्कन लावा के ठंडे होने से बनी षट्कोणीय संरचनाओं का अनुपम उदाहरण है। अतः दिए गए सभी कथन A, B, C पूरी तरह सत्य हैं।

प्रश्न 95: राजस्थान में अभ्यारण्यों एवं उनके मुख्य वन्यजीव आकर्षणों पर विचार

सही उत्तर: C

व्याख्या: नाहरगढ़ जैविक उद्यान (जयपुर) में राज्य का पहला बायोलॉजिकल पार्क तथा बियर रेस्क्यू सेंटर स्थापित किया गया। सज्जनगढ़ अभ्यारण्य (उदयपुर) 5.19 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ राज्य का सबसे छोटा अभ्यारण्य है जहाँ दूसरा बायोलॉजिकल पार्क बना। राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभ्यारण्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का त्रिकोणीय अंतर्राज्यीय अभ्यारण्य है। अतः तीनों कथन I, II और III सत्य हैं।

प्रश्न 96: राजस्थान में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं स्थापत्य विरासत के संदर्भ में दिए गए कथन और कारण का मूल्यांकन

सही उत्तर: B

व्याख्या: जयपुर के परकोटे (Walled City of Jaipur) को जुलाई 2019 में बाकू (अजरबैजान) सम्मेलन में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया था (कथन A सही)। कालबेलिया नृत्य को 2010 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage) सूची में शामिल किया गया (कारण R सही)। यद्यपि दोनों तथ्य सत्य हैं, परंतु कालबेलिया नृत्य का सांस्कृतिक दर्जा पाना जयपुर परकोटे को धरोहर स्थल घोषित किए जाने का कारण नहीं है।

प्रश्न 97: राजस्थान के रामसर स्थलों (Ramsar Wetlands) के पारिस्थितिकीय संकट एवं संरक्षण पहलों के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का परीक्षण

सही उत्तर: A

व्याख्या: सांबर झील 1990 में रामसर स्थल घोषित हुई। नवंबर 2019 में 'एवियन बॉटुलिज़्म' (Clostridium botulinum जीवाणु जनित विष) के कारण यहाँ 20,000 से अधिक प्रवासी पक्षियों (जैसे स्टिल्ट, पोचार्ड) की मृत्यु हो गई थी (निष्कर्ष I सही)। निष्कर्ष II असत्य है क्योंकि सांबर झील मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल नहीं है (केवल केवलादेव शामिल है), और इसमें नमक उत्पादन कानूनी रूप से संचालित है।

प्रश्न 98: राजस्थान के विभिन्न कंजर्वेशन रिजर्वों (संरक्षित क्षेत्रों) और उनके संबंधित जिलों को सुमेलित

सही उत्तर: B

व्याख्या: मनसा माता कंजर्वेशन रिजर्व झुंझुनूं जिले में स्थित है। जवाई बांध लेपर्ड-II कंजर्वेशन रिजर्व पाली जिले में स्थित है। गोगेलाव कंजर्वेशन रिजर्व नागौर जिले में स्थित है। बीड झुंझुनूं कंजर्वेशन रिजर्व झुंझुनूं जिले में स्थित है। इस प्रकार सही सुमेलित कूट अनुक्रम a-IV, b-I, c-II, d-III बनता है।

प्रश्न 99: राजस्थान के नए एवं घोषित कंजर्वेशन रिजर्व (Conservation Reserves) के संदर्भ में

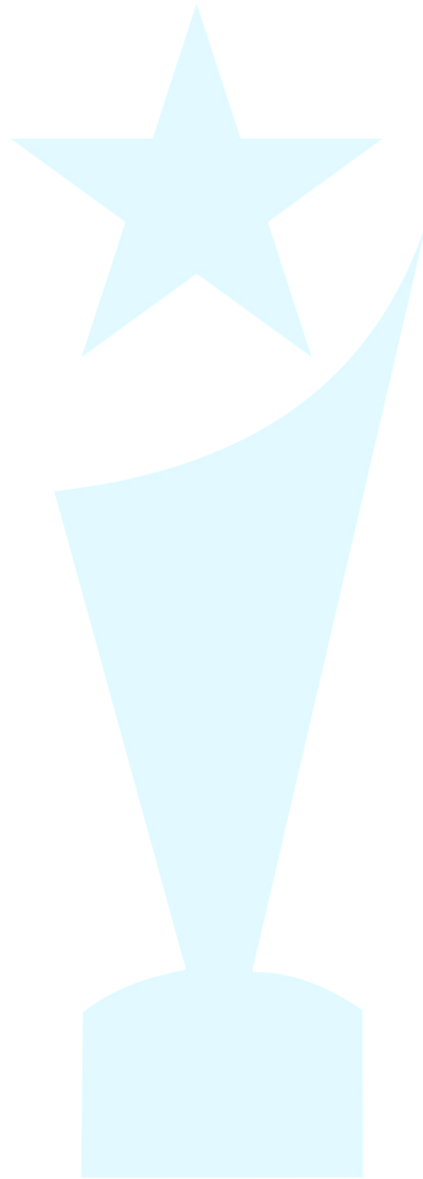
सही उत्तर: D

व्याख्या: बीसलपुर (टोंक) राज्य का पहला कंजर्वेशन रिजर्व था। शाहबाद (बारां) 16वां तथा खींचन (फलोदी) 26वां कंजर्वेशन रिजर्व बना। विकल्प D असंगत/गलत है क्योंकि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 (संशोधन 2002) की धारा 36A के तहत राज्य सरकार को अपनी सीमाओं के भीतर किसी भी सरकारी भूमि को स्थानीय समुदायों के परामर्श से 'कंजर्वेशन रिजर्व' (संरक्षित क्षेत्र) अधिसूचित करने का पूर्ण कानूनी अधिकार प्राप्त है।

प्रश्न 100: राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु संचालित प्रसिद्ध लग्जरी टूरिस्ट ट्रेन का क्या नाम है?

सही उत्तर: A

व्याख्या: 'पैलेस ऑन व्हील्स' (Palace on Wheels) राजस्थान की पहली और सबसे प्रसिद्ध शाही रेलगाड़ी है, जिसकी शुरुआत 26 जनवरी 1982 को हुई थी। यह राजस्थान पर्यटन विकास निगम (RTDC) और भारतीय रेलवे का एक संयुक्त उपक्रम है। यह ट्रेन पर्यटकों को जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर और आगरा की शाही सैर कराती है।



wincompete